उर्वशी ने कॉपी पेस्ट के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपनी खूबसूरती, ग्लैमरस लुक और सोशल मीडिया एक्टिविटी को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. वह अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज़ शेयर करती रहती हैं, जिससे वह फैंस के बीच चर्चा में बनी रहती हैं. हाल ही में वह एक नए विवाद में आ गईं जब उन पर प्रियंका चोपड़ा का पोस्ट कॉपी करने का आरोप लगा. अब इस मामले पर उर्वशी ने खुद चुप्पी तोड़ दी है.

दरअसल, कुछ दिनों पहले दशहरा और गांधी जयंती के मौके पर उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था, जो प्रियंका चोपड़ा के पोस्ट से काफी मिलता-जुलता था. जैसे ही फैंस ने दोनों पोस्ट को देखा, सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई कि उर्वशी ने प्रियंका का कंटेंट कॉपी किया है.एक इंटरव्यू में इस आरोप पर अपना रिएक्शन दिया. जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने प्रियंका को कॉपी किया है, तो उर्वशी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मुझे लगता है कि आप इस बात पर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं. मुझे नहीं लगता कि किसी ने इसे देखा भी होगा.

इसके बाद जब उनसे दोबारा सवाल किया गया, तो एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं. हां, मैं प्रियंका चोपड़ा को फॉलो करती हूं क्योंकि वो एक आइकन हैं.

मुमताज़ की भूमिका दोहराने के लिए चल रही तब्बू से बातचीत!

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू , चांदनी बार 2 में काम करती नजर आ सकती हैं. फिल्म चांदनी बार के बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर काम आधिकारिक रूप से शुरू हो चुका है. लेकिन इस घोषणा के बीच सबसे बड़ा सवाल जो चर्चा में है वह ये कि क्या तब्बू एक बार फिर अपने आइकॉनिक किरदार मुमताज़ सावंत के रूप में वापसी करेंगी? मूल फिल्म में तब्बू के दमदार और संवेदनशील अभिनय ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया था, और फिल्म आज भी उनकी अदाकारी से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है. निर्माता टीम ने पुष्टि की है कि चांदनी बार 2 एक नई पीढ़ी के लिए इस कहानी को फिर से पेश करेगी, जो पहली फिल्म की घटनाओं के 25 साल बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी. हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तब्बू वाकई इस किरदार को दोबारा निभाएंगी या नहीं.

प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि चांदनी बार 2 के निर्माता, तब्बू की वापसी को लेकर गहन बातचीत कर रहे हैं. सूत्र ने बताया, निर्माता चाहते हैं कि तब्बू अपने इस प्रतिष्ठित किरदार को दोबारा निभाएं, क्योंकि उनकी मौजूदगी फिल्म की विश्वसनीयता और भावनात्मक गहराई के लिए बेहद अहम मानी जा रही है. बातचीत जारी है, लेकिन तब्बू की आधिकारिक कास्टिंग की पुष्टि अभी बाकी है.

चांदनी बार 2 का निर्माण संदीप सिंह अपने बैनर लेजेंड स्टूडियोज़ के तहत कर रहे हैं, जबकि निर्देशन की कमान मशहूर फिल्ममेकर अजय बहल संभाल रहे हैं.सूत्रों के मुताबिक, इस सीक्वल में एक नई नायिका को भी पेश किया जाएगा. इस चुनौतीपूर्ण और गहन किरदार के लिए कई युवा अभिनेत्रियों के नाम चर्चा में हैं, जिनमें अनन्या पांडे, शरवरी वाघ और तृप्ति डिमरी शामिल हैं.

गणेश कार्तिकेय में गाना शानदार अनुभव रहा : जावेद

जानेमाने पार्श्वगायक जावेद अली का कहना है कि सोनी सब के शो 'गणेश कार्तिकेय' में गाना उनके लिये शानदार अनुभव रहा है.

सोनी सब के शो 'गाथा शिव परिवार की ,गणेश कार्तिकेय' में पार्श्व गायक जावेद अली ने अपनी मधुर आवाज़ दी है. उनकी यह प्रस्तुति भक्ति, दिव्यता और भावनाओं की गहराई को बड़े ही सुंदर ढंग से व्यक्त करती है.

जावेद अली ने बताया कि यह एंथम गाना उनके लिए एक आत्मिक और अविस्मरणीय अनुभव रहा. उन्होंने कहा,यह एंथम सचमुच शो की रीढ़ की हड्डी जैसा है. यह शुरुआत से ही माहौल और ऊर्जा बना देता है. यह दर्शकों में उत्साह जगाएगा और उन्हें शो देखने के लिए प्रेरित करेगा. मुझे विश्वास है कि दर्शक इस गीत से तुरंत जुड़ जाएंगे.यह शक्तिशाली ट्रैक दर्शकों और सोनी सब की 'गाथा शिव परिवार की ङ्क गणेश कार्तिकेय' की दिव्य कहानी के बीच एक सेतु का काम करता है. इसकी भक्ति-भावना दर्शकों को अपनी ओर खींचती है, वहीं इसकी ऊर्जा उन्हें प्रेरित करती है. इसका उद्देश्य जिज्ञासा जगाना और एक श्रद्धा का भाव पैदा करना है, जो दर्शकों के मन में गहराई से गूंजेगा.

जावेद अली ने बताया, यह गीत आदिल जी और प्रशांत जी ने बहुत सुंदरता से संगीतबद्ध किया है और अंशुमाली झा ने इसके भावपूर्ण बोल लिखे हैं.

रिधिमा तिवारी बनीं एक रहस्यमयी राक्षसी

रहस्य, शक्ति और फैंटेसी से भरी दुनिया में कदम रखते हुए, अभिनेत्री रिधिमा तिवारी अब सन नियो के लोकप्रिय शो 'दिव्य प्रेम-प्यार और रहस्य की कहानी' में एक नई ऊर्जा लेकर आ रही हैं.

शो में रिधिमा की एंट्री शक्तिशाली राक्षसी के रूप में होगी, जिससे कहानी एक अप्रत्याशित और रोमांचक मोड़ लेगी. उनके आने से दर्शकों को भरपूर ड्रामा, रहस्य और अलौकिक ट्विस्ट देखने को मिलने वाला है.

रिधिमा तिवारी ने कहा, मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि इस प्रोडक्शन हाउस के साथ यह मेरा पहला अनुभव है. हमारी टीम बहुत शानदार है, भले ही मैं शो में छह महीने बाद जुड़ी हूँ, लेकिन सभी ने मेरा पूरे सहज भाव से स्वागत किया. एक कलाकार के रूप में अपने हर किरदार को ईमानदारी से निभाना हमारी ज़िम्मेदारी होती है और मैं इसे पूरी गंभीरता से निभाती हूँ. मेरे किरदार का लुक बेहद ख़ास और अनोखा है. स्टाइलिंग और डिज़ाइनिंग में टीम ने जो मेहनत की है, वह बहुत ही जबरदस्त और सराहनीय है.

रिधिमा ने कहा, मैं राक्षसी का किरदार निभा रही हूँ. यह किरदार सौ वर्षों की तपस्या के बाद अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का उपयोग कर शहर में नकारात्मक ऊर्जा फैला रही है.

'थामा' का दूसरा गीत दिलबर की आँखों का रिलीज

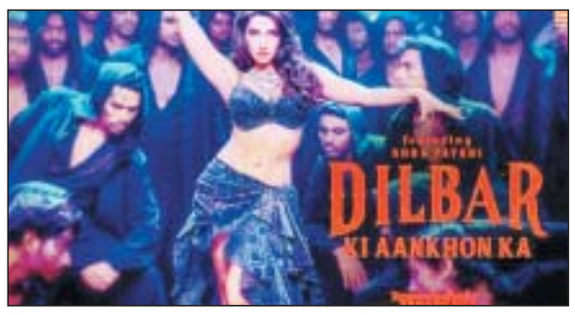

मैडॉक फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी 'थामा' का दूसरा गीत 'दिलबर की आँखों का' रिलीज हो गया है.

फिल्म 'थामा' का ट्रेलर जहां यूट्यूब पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है और 'तुम मेरे न हुए, ना सही' ने भी टॉप ट्रेंडिंग गानों में अपनी जगह बनाई है, वहीं अब नोरा फतेही के सबसे चमकदार अंदाज़ में प्रस्तुत 'दिलबर की आँखों का' स्क्रीन पर आग लगाने को तैयार है.हॉरर-कॉमेडी 'थामा' का दूसरा गीत 'दिलबर की आँखों का' अब रिलीज़ हो गया है. 'स्त्री' के प्रसिद्ध गीत 'कमरिया' में अपने अविस्मरणीय प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली नोरा फतेही अब अपनी करिश्माई मौजूदगी और बेजोड़ डांस मूव्स के साथ एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने आ रही हैं.

रेट्रो अहसास से भरपूर यह गीत क्लासिक बॉलीवुड चार्म और आधुनिक रिदम्स का शानदार संगम है. विजय गांगुली द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गाना टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत किया गया है. इस गीत को बहुमुखी गायिका रश्मीत कौर ने अपनी दमदार आवाज़ से सजाया है, जिसने गाने में नई ऊर्जा और जान भर दी है.

नोरा फतेही ने अपने सिग्नेचर करिश्मे से हर फ्रेम को एक विजुअल स्पेक्टेकल में बदल दिया है. अपनी खुशी जाहिर करते हुए ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने कहा, 'दिलबर की आँखों का' परफॉर्म करना मेरे लिए एक बेहद रोमांचक अनुभव था. हर बीट को महसूस करना और यह जानना कि दर्शक भी हमारे साथ थिरकेंगे, इसे और खास बना देता है.

निहारिका चौकसे का सबसे प्यारा सीक्रेट

ज़ी टीवी का शो तुम से तुम तक इन दिनों दर्शकों का दिल जीत रहा है. अनु (निहारिका चौकसे) और आर्यवर्धन (शरद केलकर) की अनोखी प्रेमकहानी जहां दर्शकों को स्क्रीन पर बांधे हुए है, वहीं सेट के पीछे भी कुछ ऐसे लम्हें हैं जो पूरी टीम के चेहरे पर मुस्कान ला देते हैं.

इनमें से सबसे प्यारा राज़ है निहारिका की स्नैक टोकरी! हमेशा हेल्दी स्नैक्स और थोड़ी-सी ट्रीट्स से भरी यह टोकरी सेट पर सबके लिए एक छोटा-सा सरप्राइज़ बन गई है. शूटिंग के लंबे घंटों के बीच कभी एनर्जी बूस्टर स्नैक तो कभी झटपट कुछ मीठा. निहारिका की टोकरी हर मूड के लिए तैयार रहती है. हालांकि वो मानती हैं कि इसकी शुरुआत उन्होंने सिर्फ अपने लिए की थी.

निहारिका चौकसे कहती हैं, तुम से तुम तक% की शूटिंग मेरे लिए बेहद खास अनुभव है और लंबे घंटों की मेहनत के बीच मेरी एक चीज़ हमेशा मेरा साथ देती है - मेरी स्नैक टोकरी. इसे मेरी मम्मी बहुत प्यार से तैयार करती हैं, जिसमें हर तरह की चीजें होती हैं, कुछ हेल्दी और कुछ मज़ेदार भी. मैं खुद फूडी हूं, तो इसमें मेरे फेवरेट्स ज़रूर मिलेंगे, जैसे चना जोर गरम और गुड़ वाला ग्रीक योगर्ट. यह टोकरी हर जगह मेरे साथ जाती है क्योंकि मैं अलग-अलग सेट्स पर शूट करती रहती हूं. ऐसे छोटे-छोटे पल याद दिलाते हैं कि कितनी भी बिज़ी लाइफ क्यों न हो, प्यार और परवाह के ये छोटे जेस्चर सेट के माहौल को और भी खुशनुमा बना देते हैं.

शमिता ने त्र्यंबकेश्वर में बिताए दो दिन और मांगा आशीर्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री शमिता शेट्टी अपनी बहन शिल्पा शेट्टी के साथ एक आध्यात्मिक यात्रा पर निकली हैं, जहां उन्होंने महाराष्ट्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों सप्तशृंगी देवी मंदिर, शिर्डी और त्र्यंबकेश्वर में भव्य दर्शन करते हुए आशीर्वाद मांगा.

भगवा साड़ी में सजी शमिता ने अपनी सादगी और भक्ति से सबका ध्यान खींचा, जब उन्होंने श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की.

शमिता ने अपनी इस यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा,सप्तशृंगी देवी मंदिर, शिर्डी और त्र्यंबकेश्वर की यात्रा में बिताए गए दो खूबसूरत दिन. नाशिक के पास स्थित सप्तशृंगी देवी मंदिर में दोनों बहनों ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया. इसके बाद शमिता शिर्डी पहुंचीं, जहां उन्होंने साई बाबा के दरबार में माथा टेका. उन्होंने अपनी इस धार्मिक यात्रा का समापन त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ किया, जो भारत के बारह पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है.

अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की झलकियाँ साझा

करते हुए शमिता के चेहरे पर शांति और कृतज्ञता साफ झलक रही थी. पर्दे पर और उसके बाहर अपनी गरिमा और सौम्यता के लिए जानी जाने वाली शमिता की यह भक्ति-यात्रा आस्था और प्रसिद्धि के बीच संतुलन का एक खूबसूरत उदाहरण पेश करती है.

कृषि जगत

किसान इस विधि से करें करेले की खेती

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार उन्हें रबी और खरीफ की मुख्य फसलों के अलावा सब्जियों और फलों की खेती पर जोर दे रही है. किसानों को सब्जियों की खेती करने के लिए कई राज्य सरकारें किसानों को अनुदान भी उपलब्ध करा रही हैं. सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने के मुख्य कारण ये हैं कि सब्जियों की फसल कम समय में तैयार हो जाती है जिसे किसान बेचकर जल्द पैसा प्राप्त कर सकता है.

बेहतर पैदावार के लिए अपनाएं मल्चिंग विधि- करेले की खेती में मल्चिंग विधि अपनाई जाती है, जिससे खेत की नमी बनी रहती है और खरपतवार कम उगते हैं. इस तकनीक से फसल की पैदावार अच्छी होती है और कीट व रोगों का प्रकोप भी कम होता है, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है.

करेले की खेती का तरीका

खेत की जुताई और बेड बनाना- सबसे पहले खेत की गहरी जुताई कर ली जाती है और उसके बाद उसमें बेड बनाए जाते हैं.

पन्नी बिछाना- बेड्स पर प्लास्टिक मल्चिंग शीटबिछाई जाती है, जिससे मिट्टी की नमी बनी रहती है और खरपतवार कम होते हैं.

बीज बोना- पन्नी में 1 से 1.5 फीट की दूरी पर छेद किए जाते हैं और उनमें करेले के बीज लगाए जाते हैं.

चने की बुवाई से पहले करें यह खास काम

खरीफ की फसलों के बाद किसान रबी फसलों की बुवाई में जुट गए हैं. रबी फसलोंमें किसान अधिकांश रूप से गेहूं, चना व सरसों की बुवाई करते हैं. इसके पीछे कारण यह है कि इसके बाजार में अच्छे भाव मिल जाते हैं और कीमतों में कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं होता है. जो किसान इस बार चने की खेती करना चाहते हैं ओर इसकी चने करने जा रहे हैं. उन्हें चने की बुवाई करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए और कुछ खास काम चने की बुवाई के दौरान करने चाहिए ताकि चने का बेहतर उत्पादन मिल सके.

पानी की निकासी का रखें ध्यान - चना बोने के बाद सबसे पहली जरूरत है कि खेत में नमी का स्तर संतुलित बना रहे. चना अधिक पानी सहन नहीं कर पाता, इसलिए बुआई के बाद खेत में पानी का ठहराव नहीं होना चाहिए. जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा होती है, वहां एक बार हल्की सिंचाई पर्याप्त होती है, लेकिन अधिक बारिश वाले इलाकों में जल निकासी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है. मिट्टी में अधिक नमी रहने पर पौधों की जड़ें गलने का खतरा बढ़ जाता है.

निराई-गुड़ाई भी जरूरी - बुआई के कुछ दिनों बाद अंकुरण निकलने लगता है. इस दौरान खेत में खरपतवार सबसे बड़ी समस्या है. खरपतवार न केवल फसल की वृद्धि को रोकते हैं, बल्कि चने की पौध से पोषक तत्व और नमी भी छीन लेते हैं. इसलिए बुआई के 25 से 30 दिन के भीतर पहली गुड़ाई-निराई करना बहुत जरूरी है. अगर खेत में खरपतवार नियंत्रण सही समय पर हो जाए, तो फसल की वृद्धि तेज होती है और पौधे मजबूत बनते हैं.

इन बीमारियों से रखें दूर

चने की फसल को बीमारियों और कीटों से भी बचाना जरूरी है. खासकर उखठा रोग, फ्यूज़ेरियम विल्ट और चने की फली छेदक कीट किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती माने जाते हैं. इनसे बचाव के लिए खेत की नियमित निगरानी करनी चाहिए. पौधों में बीमारी के लक्षण दिखते ही तुरंत उपाय करना चाहिए. रोग नियंत्रण के लिए बीज उपचार और जैविक उत्पादों का प्रयोग बेहतर माना जाता है. वहीं कीट प्रबंधन के लिए फेरोमोन ट्रैप और जैविक कीटनाशकों का प्रयोग फायदेमंद होता है.

प्रसूति बुखार से बचाव को पशु का रखें ख्याल

मौसम चाहे कोई भी हो. दुधारू जानवरों का खास ख्याल रखना चाहिए. लापरवाही करने से पशुओं को तरह-तरह की बीमारी हो जाती है. कड़ाके की सर्दियां शुरू होने से पहले पशुपालक सितम्बर से लेकर अक्टूबर तक गाय-भैंस से बच्चा ले लेते हैं. लेकिन इसके लिए ये भी जरूरी है कि बच्चा होने के दौरान गाय-भैंस को प्रसूति ज्वर से भी बचाया जाए. वैसे तो प्रसूति ज्वर किसी भी मौसम में हो सकता है, लेकिन हमेशा होता बच्चा होने के बाद ही है. इसका मौसम से कोई संबंध नहीं है.

पशु को प्रसूति ज्वर है या नहीं ऐसे करें पहचान

रोगी पशु अत्ति संवेदनशील और बैचेन दिखाई देता है. पशु कमजोर हो जाता है और लड़खड़ाकर चलने लगता है. पशु खाना-पीना और जुगाली करना बंद कर देता है. मांसपेशियों में कमजोरी के कारण पशु कांपने लगता है. पीडि]त पशु बार-बार सिर हिलाने और रंभाने लगता है.

गाय-भैंस को प्रसूति ज्वर होते ही ऐसे करें इलाज

पशु में लक्षण दिखाई दें तो कैल्शियम बोरेग्लुकोट दवाई का इस्तेमाल करें. दवाई की 450 मिली लीटर की बोतल ब्लड की नस के रास्ते चढ़ानी चाहिए. दवाई धीरे-धीरे 10-20 बूंदे प्रति मिनट की दर से लगभग 20 मिनट में चढ़ानी चाहिए. पशु दवाई देने के 8-12 घंटे बाद उठ कर खुद खड़ा नहीं हो तो यही दवा दोबारा दे दें. 75 फीसद रोगी पशु इलाज के दो घंटे में ठीक हो जाते हैं. इलाज के 24 घंटे तक रोगी पशु का दूध नहीं निकालना चाहिए.

गाय-भैंस के बच्चा होने पर जरूर अपनाएं ये उपाय

पशु को बच्चा होने से पहले संतुलित आहार देना शुरू कर दें. संतुलित आहार के लिए दाना-मिश्रण, हरा चारा और सूखा चारा दिया जा सकता है. दाना मिश्रण में दो फीसद उच्च गुणवत्ता का खनिज लवण और एक फीसद साधारण नमक शामिल करें.

नेट शेड हाउस में खेती से हरियाली संग खुशहाली

तेजी से बदलते इस दौर में हर जगह मशीनों और आधुनिक तकनीकों का बोलबाला है. हालांकि तकनीकियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसआने के बाद बहुत से लोगों की नौकरी पर खतरा बढ़ गया है.पिछले कुछ सालों से नए-नए लोग भी खेती में दिलचस्पी दिखाने लगे हैं. इस दौर में खेती के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है. पिछले कुछ सालों से खाली खेतों में नेट हाउस लगाकर अच्छी कमाई की जा रही है.

नेट हाउस क्या है?- पिछले कुछ सालों से ग्रीन हाउस, पॉली हाउस और नेट हाउस में खेती का चलन बढ़ गया है. नेट हाउस बनाने के लिए लोहे की पाइपों, सीमेंट के खंभों या बांसों की मदद से एक स्ट्रक्चर तैयार किया जाता है और उसके ऊपर नेट की परतें लगाकर एक खास संरचना बनाई जाती है.

नेट हाउस में खेती के फायदे- नेट हाउस में खेती करने के बाद ढेर सारे फायदे देखे जाते हैं. आपको बता दें कि नेट का आवरण चारों ओर होने से फसलों की कई तरह से सुरक्षा होती है. नेट हाउस में खेती करने से किसानों को मौसम, कीट और तापमान से फसल की रक्षा करने में मदद करती है. ये फसल को अनुकूल वातावरण देने का काम करता है. आइए प्वांइटर में समझ लेते हैं कि इससे किस तरह के फायदे मिलते हैं.

- नेट हाउस में खेती करते हैं तो सीधी धूप और तेज बारिश से फसलों की सुरक्षा होती है
- नेट हाउस के भीतर फसलों में कीट और संक्रमण फैलने की संभावना कम होती है
- ड्रिप इरिगेशन सेटअप होने से पानी की बचत होती है
- नेट हाउस में उगाई गई फसलें एक समान रूप से बढ़ती हैं
- हर मौसम में खेती संभव है साथ ही फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर होती है

नेट हाउस में कौन सी फसल उगाएं?- आपको बता दें कि नेट हाउस में कोई भी फसल ना उगाएं इसमें नकदी फसलों की खेती की जाती है. आपको बता दें कि स्ट्रॉबेरी, टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च जैसी सब्जियां गुलाब, जरबेरा गेंदा जैसे फूल, पत्तेदार सब्जियों में धनिया, पालक, मेथी और नर्सरी पौधे तैयार कर सकते हैं.

लागत और देखभाल

किसान अगर नेट हाउस बनावाना चाहते हैं तो इसकी लागत और स्ट्रक्चर के बारे में समझना जरूरी है. अगर आप एक एक के खेत में नेट हाउस लगाना चाहते हैं तो करीब 10-15 लाख रुपये तक का खर्च आ सकता है. हालांकि नेट हाउस बनवाने के लिए 50-75 फीसदी सब्सिडी का भी प्लान है. विशेष स्थिति में राज्य सरकार की ओर से किसानों की बड़े पैमाने में मदद की जाती है.